राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

संख्या–61/2026

प्रेस–विज्ञप्ति

नीति, मूल्यांकन और प्रौद्योगिकी शिक्षा में बदलाव के प्रमुख आधार हैं– राज्यपाल

पटना, 21 अप्रैल, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बी०डी० कॉलेज, पटना एवं मास्टरसॉफ्ट ईआरपी, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में बापू टावर, पटना में आयोजित ''हायर एजुकेशन लीडर्स एआई कॉन्क्लेव'' में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नीति, मूल्यांकन और प्रौद्योगिकी, ये तीनों मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में वास्तविक और स्थायी परिवर्तन लाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने "लेन–देन (Transaction)" और "परिवर्तन (Transformation)" के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि वास्तविक परिवर्तन तभी संभव है, जब सुधार जड़ों तक पहुँचकर किया जाए।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पारंपरिक रटने की पद्धति से आगे बढ़कर समग्र, लचीली और बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। यह नीति छात्रों में आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर बल देती है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके प्रभावी और व्यावहारिक उपयोग की क्षमता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।

मूल्यांकन प्रणाली में हो रहे बदलावों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अब संस्थानों का आकलन केवल रिपोर्ट और निरीक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मापनीय, पारदर्शी और निष्पक्ष मानकों के आधार पर किया जाएगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ किया जा सकेगा। तकनीक, विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को उन्होंने शिक्षा का एक सशक्त सहयोगी बताते हुए कहा कि यह छात्रों की प्रगति का विश्लेषण कर उनकी कमजोरियों की पहचान कर सकती है तथा उन्हें व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करने में सहायक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक मानव का स्थान लेने के लिए नहीं, बल्कि उसकी क्षमता को और अधिक सशक्त बनाने के लिए है।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षा प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि इसमें किसी बड़े बदलाव की आवश्यकता नहीं है, बल्कि थोड़े सुधार, उचित प्रोत्साहन और परिष्कार के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने पटना में उपलब्ध आधुनिक ऑडिटोरियम और कन्वेंशन सेंटर की प्रशंसा करते हुए इसे राज्य के मजबूत आधारभूत ढाँचे का प्रतीक बताया।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में गलतियों को पहचानना, उन्हें स्वीकार करना और उनसे सीखते हुए आगे बढ़ना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। उन्होंने कहा कि गलतियाँ सीखने की प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हैं और उनसे घबराने के बजाय उनसे सीखना चाहिए।

राज्यपाल ने नशामुक्ति, टी०बी० उन्मूलन और सिंगल यूज प्लास्टिक के परित्याग जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए सभी से आह्वान किया कि इन विषयों पर जन–जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ और एक स्वस्थ, स्वच्छ एवं जागरूक समाज के निर्माण में योगदान दें।

कार्यक्रम को उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री राजीव रौशन, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० उपेन्द्र प्रसाद सिंह, बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रो० गिरीश कुमार चौधरी तथा मास्टरसॉफ्ट के प्रबंध निदेशक श्री शाम सोमानी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री गोपाल मीणा, बी०डी० कॉलेज, पटना की प्रचार्या प्रो० रत्ना अमृत, सहायक प्राध्यापक डॉ० विनीता तिवारी, कॉलेज के छात्र–छात्राएँ तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....